एआई तथा व्यक्तिगत सुरक्षा

अक्षय गहलोत, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय, अंता (बारा) राजस्थान

शोध सारांश

आधुनिक युग में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मानव व्यक्तित्व के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा और उनकी आपसी बातचीत पर चर्चा करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। एआई, जो तेजी से विकसित हो रहा है, ने कई क्षेत्रों में मानव क्षमताओं को चुनौती दी है, जैसे निर्णय–निर्माण, रचनात्मकता और समस्या–समाधान। हालांकि, मानव व्यक्तित्व की जटिलता, भावनात्मक समझ और नैतिक मूल्यों जैसे पहलुओं को एआई से प्रतिस्थापित करना आसान नहीं है।

यह शोध एआई और व्यक्तित्व सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करता है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से किए जाने वाले कार्यों का मानव जीवन पर सकारत्मक व नकारात्मक प्रभाव का तुलनात्मक रूप अध्ययन को यहां शामिल किया गया हैं स इसमें यह बताया गया है कि एआई कैसे मानव जीवन को सरल और कुशल बना सकता है, लेकिन साथ ही यह भी कि यह व्यक्तित्व, मानवीय मूल्यों और नैतिकता पर किस प्रकार प्रभाव डाल सकता है। इसमें मानव जीवन को प्रभाव डालने वाले सारे ए आई प्रणाली का पूर्ण विश्लेषण किया गया हैं जिससे हमें यह समझ मे आ जाएगा कि ए आई मानव जीवन की व्यक्तिगत सुरक्षा का किस हद तक प्रभावित कर रहा है और भविष्य में किस हद तक प्रभावित कर सकता है स

अंततः, यह शोध तकनीकी और मानवीय क्षमताओं के सामंजस्यपूर्ण उपयोग की संभावनाओं पर जोर देता है।